

पशुओं में प्रोलैप्स: एक समस्या और इसका समाधान

डॉ. रेनु शर्मा, डॉ. उत्तम कुमार साहू एवं डॉ. एम एच खान

पशु प्रजनन प्रभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) –
भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई), इज्जतनगर, 243 122, भारत

प्रोलैप्स एक सामान्य समस्या है जो पशुओं में देखी जा सकती है, खासकर गायों और भैंसों में। यह आमतौर पर प्रसव के दौरान या उसके बाद होता है। इसमें गर्भाशय या अन्य अंगों की बाहरी परत का उल्टाव हो जाता है। यह एक स्थायी या अस्थायी रूप से उत्तेजित हो सकता है और पशु के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

प्रोलैप्स के कारण

गाय और भैंसों में प्रोलैप्स का कारण प्रसव के दौरान की समस्याओं से जुड़ा होता है। यहाँ की प्रमुख कारणों में प्रसव में ज्यादा समय लेना, प्रसव के दौरान मांसपेशियों का कमजोर होना, भ्रूण का अधिक आकार, भ्रूण की परतों का प्रसव के बाद न निकलना, कैल्शियम की कमी, और अविरल रोग शामिल हैं। ये कारक प्रसव के बाद गर्भाशय के उलटने का कारण बनते हैं, जिससे वह योनिमुख से बाहर निकल जाता है। गर्भाशय के प्रोलैप्सके लक्षण में गर्भाशय जुड़ी हुई होती है, भ्रूण की परतें बाहर आती हैं, और कैल्शियम की कमी के लक्षण जैसे कमजोरी, अवसाद, और गिरावट शामिल होती है। प्रभावी और त्वरित उपचार महत्वपूर्ण हैं ताकि प्रभावित जानवरों का जीवन, स्वास्थ्य, और निरंतर प्रजनन सुनिश्चित हो सके।

प्रोलैप्स के लक्षण

जानवरों में प्रोलैप्स के लक्षण और संकेत विस्तार से दिखाई देते हैं। प्रोलैप्स के लक्षण में शामिल हो सकते हैं असामान्य गर्भाशय या अन्य अंगों का बाहर आना, गाय या भैंस को चलने में कठिनाई, रक्त स्राव, और अन्य लक्षण हो सकते हैं। गर्भाशय के प्रोलैप्स के मुख्य लक्षण में जानवर अक्सर गिरा हुआ रहता है, जिसके साथ गर्भाशय पूरी तरह से बाहर निकल जाता है। इस स्थिति में जानवर को त्वरित रूप से गर्भाशय को साफ करके पुनः स्थापित करना होता है। जानवर जल्दी ही शॉक में चला जाता है और रक्त स्राव से मर सकता है। योनिजनित प्रोलैप्स बड़े गायों में अधिक देखा जाता है।

क्लिनिकल लक्षण: गर्भाशय प्रोलैप्स आमतौर पर जन्म के 2-24 घंटे के भीतर होता है, इसलिए त्वरित पहचान और उपचार अत्यधिक महत्वपूर्ण है। प्रोलैप्स से प्रभावित होने पर असुविधा, आंखों में पानी, तापमान और श्वसन दर में वृद्धि जैसे लक्षण दिखाई देते हैं।

प्रोलैप्स का समाधान

प्रोलैप्स का समाधान तत्काल चिकित्सा ध्यान और सहायता की आवश्यकता होती है। यह चिकित्सा व्यवस्था द्वारा संभव है, जिसमें पशुचिकित्सक की सलाह और उपचार शामिल हो सकते हैं। समय रहते इस समस्या का समाधान करना जरूरी है ताकि पशु के स्वास्थ्य को बचाया जा सके।

प्रोलैप्स की रोकथाम और प्रबंधन

रोकथाम के उपाय: प्रसव में ज्यादा समय लेना, प्रसव के दौरान मांसपेशियों का कमजोर होना, भ्रूण का अधिक आकार, भ्रूण की परतों का प्रसव के बाद न निकलना, कैल्शियम की कमी और अवसाद रोगों जैसे कारकों का समाधान करना प्रोलैप्स के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

उपचार और प्रबंधन: गर्भाशय प्रोलैप्स एक आपात स्थिति मानी जाती है, और शीघ्र कार्रवाई से परिणाम सुधारता है। पशुपालक को जानवर को शांत रखना और प्रोलैप्स क्षेत्र को साफ और गीला रखना महत्वपूर्ण है। प्रोलैप्स क्षेत्र के आकार को कम करने, मूलस्थान में प्रतिस्थापन, और प्रोलैप्स हिस्से को धारण करना महत्वपूर्ण है।

औषधिक और शल्य क्रिया: गंभीरता के आधार पर, उपचार के लिए औषधिक प्रबंधन के साथ आहारिक संशोधन या शल्य क्रिया जैसे उपाय आवश्यक हो सकते हैं।

प्रोलैप्स एक गंभीर समस्या हो सकती है जो पशु के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है, लेकिन सही चिकित्सा और देखभाल के माध्यम से इस समस्या का समाधान संभव है। अपने पशु के स्वास्थ्य का ध्यान रखना और नियमित चेकअप कराना इस समस्या को पहचानने और उसका समाधान करने में मददगार साबित हो सकता है।